प्रसार कार्यकर्ता/मास्टर ट्रेनर्स प्रशिक्षण माड्यूल

जानकारी सबसे महत्वपूर्ण निवेश है तथा
जानकारी पहुंचाने का कौशल सबसे बड़ी सफलता

प्रसार निदेशालय

च0शे0आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, कानपुर

किसान पाठशाला (रबी–2019–20)

उद्देश्य– जानकारी एवं जानकारी को समझ आने योग्य सम्प्रेषण कौशल।

किसान – खेत में काम करके सबका पेट भरने वाला अन्नदाता।

पाठशाला– सभी विषयों पर जानकारी का माहौल।

पाठशाला में क्यों – सोच, समझ को पढ़ने योग्य बनाना स्थानीय कृषि परिस्थितिकीय व संसाधन के अनरूप जानकारी।

प्रसार कार्यकर्ता / मास्टर ट्रेनर्स

जो उपस्थित प्रतिभागियों को समझदार बनाने की योग्यता रखता हो।

विशेषताएं –

1. जानकार हो।
2. समझदार हो।
3. सहभागी वार्ताकार हो।
4. प्रेरणाकार हो।
5. असरदार (स्वीकार) हो।

जानकार होने के साथ जानकारी का सम्प्रेषण कौशल महत्वपूर्ण है।

प्रेरणा (Motivation)

हमारी जानकारी प्रभावी ढंग से पहुंच सके प्रेरित करते समय निम्न बातों का ध्यान रखना चाहिए–

1. किसको प्रेरित करना है।
2. क्यो प्रेरित करना है।
3. सोच व समझ का स्तर क्या है।
4. जानकारी स्तर क्या है।
5. सम्भावनाएं क्या है।

2. संवाद (Communication)

संवाद के तीन गुण बहुत आवश्यक है –

(अ) संवाद की भाषा (ब) संवाद का समय (स) संवाद का ढंग

(अ) संवाद की भाषाः (Language of communication) –

प्रभावी संवाद के लिए निम्न बातों का ध्यान रखना नितान्त आवश्यक है –

- श्रोताओं के जाने पहचाने शब्दों का प्रयोग करना।
- साधारण शब्द अथवा उदाहरण का प्रयोग कर संदेश रूचिकर बनाना
- छोटे–छोटे शब्दों वाक्यों का प्रयोग।
- कम से कम विशेषणों का प्रयोग सरल भाषा में बात करना।
- सरल एवं सीधा संवाद।
- नजर मिलती रहे बात होती रहे।
- सामान्य एवं शान्त आवाज में सम्प्रेषण।
- सम्प्रेषण एवं परिस्थिती कौशल।

(ब) संवाद का समय एवं रूचि

(1) आपसी संवाद के लिए आवश्यक है कि हम ऐसे समय का चयन करें जब श्रोता मानसिक रूप से तैयार हो।

(2) मानसिक रूप से बोझिल व्यक्ति संदेश को सही रूप से ग्रहण नही कर सकता कभी कभी श्रोता को सही मनः स्थिति मे लाने के लिए कुछ बाहरी साधनों का सहारा लेना पड़ जाता है जिससे वह संदेश को मानसिक रूप से ग्रहण करने की स्थिति मे हो सके इसके लिए बहुत से वक्ता अपना संदेश देने से पहले हल्की कहानी, चुटकले, कठपुतली आदि के माध्यम से मनोरंजन कर उन्हें संदेश ग्रहण करने की मनः स्थिति में लाते है तथा यदि संभव हो तो उसी के माध्यम से अथवा अन्य माध्यमों से संदेश उनके बीच पहुंचाते है। तथा हमारा लक्ष्य कृषि विकास की जागरूकता की है तो कृषि के ही उदाहरण रखते हुये बात रखें। संदेश ऐसा हो जो श्रोताओं को आकर्षित करा सकें।

(स) संवाद के ढंग

संवाद एक कला है तथा संदेश देने वाले व्यक्ति को इस कला में निपुण होना आवश्यक है, अन्यथा संदेश के सही अर्थो में श्रोता तक पहुंचने में संदेह रहता है। अतः संवाद करते समय निम्न बातों से प्रभावी संवाद नही हो पाता है :

- आंखे मिलाकर बातें न करना इससे विश्वास में कमी परिलक्षित होती है।
- बहुत धीरे–धीरे अथवा बहुत तेज गति से बाते करना।
- शब्दों के अनुरूप शारीरिक भाव भंगिमा का न होना।
- वक्ता के कथनी करनी से अन्तर होना।
- श्रोताओं से मुखातिर न रहना।

3. नेतृत्व (Leadership)

नेतृत्व के उपयोगों की लम्बी सूची है परन्तु हमारे संदर्भ में नेतृत्व निम्न कार्यो को आगे बढ़ाने मे सहायक होगा

- उद्देश्य के प्रति उत्साह दिखना।
- सामूहिक कार्य भावना का निर्माण।
- स्वयं की कार्य उपलब्धियों का उदाहरण देना।
- सामूहिक बातचीत करना।
- संगठन में व्यक्तिगत योग्यताओं की पहचान एवं उसका उपयोग।

कुशल नेतृत्व के गुण

(1) प्रशिक्षित (Qualified)
(2) अनुभवी (Experienced)
(3) समर्पित (Dedicated)
(4) नवाचार (Innovative)